8. नाटक और रंगमंच के संबंधों पर प्रकाश डालिए।

9. 'आवारा मसीहा' एक श्रेष्ठ जीवनी है। सिद्ध कीजिए।

खण्ड 'स'

नोटः निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो का उत्तर दीजिए। शब्द सीमा अधिकतम 500 शब्द हैं प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है।

2x16=32

10. हिन्दी निबन्धों में व्यंग्य के प्रयोग की परम्परा का परिचय देते हुए ठिठुरता हुआ गणतंत्र की संवेदना और शिल्प का विवेचन कीजिए।

11. 'रिपोतार्ज' विधा के तत्वों के आधार पर 'अंधकार' का विवेचन कीजिए।

12. 'आधे -अधूरे' नाटक आज के जीवन के गहन अनुभव-खण्ड को मूर्त करता है।' कथन का विश्लेषण कीजिए।

13. 'भाभी' भारतीय स्त्री के करुण और विडंबनापूर्ण जीवन का आख्यान है। सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

MAHD-05

June - Examination 2015

एम.ए. उत्तरार्द्ध

नाटक और कथेतर गद्य विधाएं

MAHD-05

Time : Three Hours] *[Max. Marks : 80*

निर्देशः यह प्रश्न पत्र तीन खण्डों अ, खण्ड, ब और खण्ड स में विभाजित है। खण्ड अ अति लघुत्तरात्मक है, खण्ड 'ब' लघुत्तारात्मक एवं खण्ड 'स' में निबंधात्मक प्रश्न सम्मिलित हैं।

खण्ड 'अ'

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य है। आप अपने उत्तर को एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है। 8x2=16

प्रश्न-1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने शेक्सपियर के किस नाटक का अनुवाद किया?

(ii) 'जनमेजय का नागयज्ञ' का कथानक किन संस्कृत पुस्तकों पर आधारित है?

(iii) ध्रुवस्वामिनी का नायक कौन है?

(iv) 'युद्धोपरांत यह अंधायुग अवतरित हुआ' किस समसामयिक युद्ध की ओर नाटककार इशारा कर रहा है?

(v) 'युयुत्सु' किस भावबोध का प्रतीक है?

(vi) स्वातंत्र्योत्तर युग के प्रमुख दो काव्य (गीत) नाटकों के नाम लिखिए।

(vii) सावित्री और महेन्द्र नाथ के मध्य प्रमुख समस्याएं क्या हैं?

(viii) ललित निबन्ध क्या है? किन्हीं दो ललित निबन्धकारों के नाम लिखिए।

खण्ड 'ब'

निम्नलिखित प्रश्नों में से कोई चार प्रश्न कीजिए। शब्द सीमा लगभग 200 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का है। 4x8=32

2. जयशंकर प्रसाद के नाटकों की प्रमुख विशेषताएं बताइए।

3. 'अशोक के फूल' निबन्ध का मूल प्रतिपाद्य क्या है?

4. सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

आज मुझे भान हुआ
मेरी वैयक्तिक सीमाओं के बाहर भी
सत्य हुआ करता है
सहसा यह भान हुआ कोई बांध टूट गया है

कोटि कोटि योजन तक दहाड़ता समुद्र
मेरे अन्तर्मन में पैठ गया
सब कुछ बह गया
मेरे निश्चिन्त किन्तु ज्ञानहीन आस्थाएं।

5. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

'उत्कर्ष की ओर उन्मुख समष्टि का चैतन्य अपने ही घर से बाहर कर दिया गया, उत्कर्ष की मनुष्य की ऊर्धोन्मुखी चेतना की यही कोमलता सनातन काल से अदा की जाती रही है। इसलिए जब कीमत अदा कर दी गई हो तो उत्कर्ष कम से कम सुरक्षित रहे, यह चिंता स्वाभाविक हो जाती है। राम भीगें तो भीगें, राम के उत्कर्ष की कल्पना न भीगे, वह हर बारिश में, हर दुर्दिन से सुरक्षित रहे। नर के रूप में लीला करने वाले नारायण निर्वासन की व्यवस्था झेले पर नर, रूप में उसकी ईश्वरता का बोध दमकता रहे, पानी की बूंदों की झालर से उसकी दीप्ति छिपने न पाये।

6. 'अशोक के फूल' का भाषिक-सौन्दर्य निरूपित कीजिए।

7. सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

पहाड़ों पर चांदनी का यह अद्‌भुत मायाजाल मैंने पहली बार देखा था और एक अलौकिक विस्मय से मेरी आंखें मुँद गयी थीं। उस रात मुझे लगा था कि पहाड़ों में भी सांप की आंख जैसा एक अविस्मृत, जादुई सम्मोहन होता है.....